ESTD. 2001

LEARN TO LEAD

STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

Class – V

Worksheet no.- 23

Subject -2nd language (Hindi) **Date-18/06/20**

Topic – Prose (ch-2) **Time limit- 30 minutes**

पाठ 2 कहानी के शेष आधे अंश का अर्थ दिया जा रहा है उसे अच्छे से समझिएगा और रेखांकित वर्तनी तथा शब्दार्थ एक पृष्ठ पर लिखिए।

नोट-बच्चों पिछले वर्कशीट में आपको पृष्ठ (sheet)के स्थान पर कॉपी में कार्य करने के लिए कहा गया था, परंतु अब इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। आप पिछले कार्यों की भांति इन सब को भी पृष्ठ पर ही करेंगे। Worksheet no लिखकर और दिनांक अनुसार सजा कर रखेंगे।

चिड़िया वापस राजकुमार के पास आई। वह बोली, "तुम्हारा काम हो गया है, अब मुझे मिस्र पहुँचना है। मैं चलती हूँ।"

मुसकराता राजकुमार बोला, "प्यारी चिड़िया मेरी खातिर एक रात और रुक जाओ।" चिड़िया रुक गई।

अगले दिन राजकुमार ने कहा, "शहर के बाहर एक गरीब नाटककार रहता है। वह भूख-प्यास से बेहाल है। मैं नहीं चाहता कि वह अपनी भूख से तंग आकर अपनी कला छोड़ दे। तुम मेरी तलवार में जड़े रत्न निकालकर उसे दे आओ।"

चिड़िया ने तलवार में जड़े रत्न निकाल लिए तथा एक-एक कर कलाकार के पास डाल दिए। कलाकार खुशी से झूम उठा। वह बोला, "अब मेरे गीत, मेरा नाटक कभी न रुकेगा।"

चिड़िया लौट आई। राह में उसने एक गाँव देखा जहाँ बहुत गरीबी थी। उसने राजकुमार को उस गाँव का हाल सुनाया। राजकुमार बोला, "मेरे वस्त्र सोने की परतों के बने हैं। इन परतों को उतार लो। एक-एक कर इन परतों को गाँव के घरों में डाल आओ। बेचारे कुछ दिन तो पेटभर खा पाएँगे।"

चिड़िया ने एक-एक सोने की परत गाँव के सभी घरों में डाल दी। अपने घर सोना देखकर लोग नाच उठे। चिड़िया तो लौट आई पर थककर मूर्ति पर आ गिरी।

अगले दिन सुबह वही दोनों मंत्री राजा के साथ वहाँ से गुज़रे। राजा बोला, "यह प्रतिमा कितनी बदसूरत लग रही है!" दोनों मंत्री बोले, "आप सही कह रहे हैं, राजकुमार नहीं यह कोई भिखारी लग रहा है। अरे! एक चिड़िया भी इस पर मरी पड़ी है। कल ही इसे यहाँ से हटवा देंगे।"

उसी रात किसी भले आदमी ने मूर्ति व चिड़िया को वहाँ से हटा कर सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया।

(अनूदित) मूल अंग्रेज़ी कथा–ऑस्कर वाइल्ड

अर्थ- कहानी के शेष आधे अंश में लेखक बताते हैं कि राजकुमार सिर्फ बीमार लड़की की ही मदद नहीं करता, बल्कि चिड़िया की मदद से वह नाटककार और पूरे एक गांव की मदद भी अपने रत्नों और सोने की परतों द्वारा करता है। वह सबको मुस्कुराता हुआ ही देखना चाहता था। इसलिए प्रतिमा की जो खूबसूरती रत्नों और सोने की परतों से थी, राजकुमार ने उसके बारे में नहीं सोचा। उसे अपनी प्रतिमा की बदसूरती मंजूर थी परंतु किसी का दुखी होना, उदास होना उसे मंजूर न था। चिड़िया भी राजकुमार की मदद करते करते थक कर मूर्ति पर गिर जाती है। राजकुमार के दान, दया के कार्य में चिड़िया का सहयोग भी सराहनीय है।

शब्दार्थ- 1. मध्य - बीच में।

2. सुनहरा - सोने जैसा।

3. बूंदाबांदी - बारिश की बूंदे। होना बरसाना ।

4. बीमार - अस्वस्थ

5. रतन - बहुमूल्य पत्थर(जैसे-हीरा,पन्ना आदि)

6. प्रतिमा – मूर्ति

7. तारिफ़ – प्रशंसा

8. सेवक - नौकर

9. गरीब - निर्धन